

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

प्रलिस के लयः

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, कार्बन सकि ।

मेन्स के लयः

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के शुध कार्बन उत्सर्जक बनने का कारण ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रकाशति एक शोध से पता चला है कऱ असम का काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जतिना कार्बन अवशोषति करता है, उससे कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जति कर रहा है ।

- इस शोध के अनुसार, जैसे-जैसे पृथवी गरम होगी **काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान** की कार्बन अवशोषति करने की क्षमता और कम होती जाएगी ।
 - इससे पहले यह पाया गया था कऱ **अमेजन वरषावन** कार्बन अवशोषति करने की तुलना में अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जति कर रहे हैं ।
- शोधकर्ताओं ने पाया कऱ काज़ीरंगा द्वारा प्री-मानसून सीजन- मार्च, अप्रैल और मई के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड की सबसे अधिक मात्रा को अवशोषति कया गया है ।
- एक जंगल या जंगल में उपस्थति पेड़ प्रकाश संश्लेषण हेतु कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग करते हैं तथा श्वसन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं ।

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक शुध कार्बन उत्सर्जक के रूप में:

- **अद्वितीय मटिटी:**
 - इस क्षेत्र की मटिटी में बैक्टीरिया की एक बड़ी आबादी पाई जाती है जो श्वसन के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं ।
- **प्रकाश संश्लेषण में कमी:**
 - बादल छाए रहने के कारण मानसून के दौरान पेड़ पर्याप्त मात्रा में प्रकाश संश्लेषण नहीं कर पाते हैं । इसलिय वनों की कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषति करने की क्षमता भी कम हो जाती है ।
 - मानसून के बाद और सर्दियों के महीनों के दौरान स्थतिसामान्य रहती है, जसिसे जंगल शुध कार्बन उत्सर्जक बन जाता है ।
- **वाष्पति जल से कम वरषा:**
 - वैज्ञानिकों ने वाष्पति जल में समस्थानिकों का वश्लेषण कया और जंगल में मौजूद जल एवं कार्बन चक्रों के बीच एक मज़बूत संबंध पाया ।
 - मानसून से पूर्व के महीनों में वाष्पति जल से होने वाली वरषा में कमी की प्रवृत्तिदेखी जाती है जो उच्चतम कार्बन अवशोषण के लयि ज़मिमेदार है ।
 - वाष्पोत्सर्जन एक प्रक्रया है जसिमें पौधों के रंध्रों के माध्यम से जल वाष्प की क्षति होती है ।
 - पत्तियों के आंतरिक भाग में कार्बन डाइऑक्साइड के प्रवेश करने और प्रकाश संश्लेषण के दौरान ऑक्सीजन के बाहर निकलने के लयि रंध्रों के खुलने की प्रक्रया (Stomatal Openings) का होना आवश्यक है ।

काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से संबंधति प्रमुख बदि:

- **अवस्थति:** यह असम राज्य में स्थति है और 42,996 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है ।
 - यह बरहमपुत्र घाटी बाढ़ के मैदान में एकमात्र सबसे बड़ा अवभाजति और प्रतनिधि क्षेत्र है ।
- **वैधानिक स्थति:**
 - इस उद्यान को वरष 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषति कया गया था ।
 - इसे वरष 2007 में टाइगर रज़िर्व घोषति कया गया ।

■ अंतरराष्ट्रीय स्थिति:

- इसे वर्ष 1985 में **युनेस्को की विश्व धरोहर** घोषित किया गया था।
- इसे **बरडलाइफ इंटरनेशनल** द्वारा एक महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है।

■ जैव विविधता:

- विश्व में सर्वाधिक **एक सींग वाले गैंडे** काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में ही पाए जाते हैं।
 - गैंडों की संख्या के मामले में असम के काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बाद पोबतौरा (Pobitora) वन्यजीव अभयारण्य का दूसरा स्थान है, जबकि पोबतौरा अभयारण्य विश्व में गैंडों की उच्चतम जनसंख्या घनत्व वाला अभयारण्य है।
- काज़ीरंगा में संरक्षण पर्यासों का अधिकांश ध्यान 'चार बड़ी' प्रजातियों- राइनो, हाथी, रॉयल बंगाल टाइगर और **एशियाई जल भैंस** पर केंद्रित है।
 - वर्ष 2018 की जनगणना में 2,413 गैंडे और लगभग 1,100 हाथी थे।
 - वर्ष 2014 में आयोजित **बाघ जनगणना** के आँकड़ों के अनुसार, काज़ीरंगा में अनुमानित 103 बाघ थे, उत्तराखंड में **जमि कॉरबेट नेशनल पार्क** (215) और कर्नाटक में **बांदीपुर नेशनल पार्क** (120) के बाद भारत में यह तीसरी सबसे बड़ी आबादी है।
- काज़ीरंगा में भारतीय उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले प्राइमेट्स की 14 प्रजातियों में से 9 का निवास भी है।

■ नदियाँ और राजमार्ग:

- इस उद्यान क्षेत्र से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 गुज़रता है।
- उद्यान में लगभग 250 से अधिक मौसमी जल निकाय (Water Bodies) हैं, इसके अलावा डिपिहोलू नदी (Dipholu River) इससे होकर गुज़रती है।



7 NATIONAL PARKS IN ASSAM

- 6th : Raimona National Park (Notified in 2021)
- 7th : Dihing Patkai National Park (Notified in June 2021)

//

स्रोत: डाउन टू अर्थ